दिनांक 29/09/22 को पेश [illegible]

29/09/22 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यों मे व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 23/11/22 को पेश हो।

23/11/22 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यों मे व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 12/01/23 को पेश हो।

12/01/23 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उप. । विपक्षीगण को जवाब पेश करने के अनेक अवसर दिया जाने के पश्चात भी जवाब पेश नहीं किया ~~[illegible]~~ अत: जवाब बंद किया जाता है। ~~[illegible]~~ वकील प्रार्थी ने बहस सुनने का निवेदन किया। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया गया जिससे प्रतीत होता है कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार करने योग्य है।

अत: [illegible] निर्णय अलग से लिखवा जाकर शामिल पत्रावली किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो [illegible] हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2023.04.06 10:22:41 IST
Reason: SelfAttested